Model: Duastro-Kaal-Sarp-Kundli

SrNo: 115-120-105-3261 / 1011 Date: 19/02/2025

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**01/01/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:01:00 घंटे**
इष्ट	14:27:13 घटी
स्थान	**.Delhi**
राज्य	Delhi
देश	India

अक्षांश	28:37:00 उत्तर
रेखांश	77:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:39:48 घंटे
वेलान्तर	-00:03:19 घंटे
साम्पातिक काल	19:21:52 घंटे
सूर्योदय	07:14:06 घंटे
सूर्यास्त	17:35:11 घंटे
दिनमान	10:21:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:35:04 धनु
लग्न के अंश	04:42:27 मेष

चैत्रादि संवत / शक	2055 / 1920
मास	पौष
पक्ष	शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि	14
तिथि समाप्ति काल	11:01:20
जन्म तिथि	15
सूर्योदय कालीन नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र समाप्ति काल	14:34:43 घंटे
जन्म नक्षत्र	मृगशिरा
सूर्योदय कालीन योग	शुक्ल
योग समाप्ति काल	09:29:25 घंटे
जन्म योग	ब्रह्म
सूर्योदय कालीन करण	वणिज
करण समाप्ति काल	11:01:20 घंटे
जन्म करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	मेष – मंगल
राशि–स्वामी	**मिथुन – बुध**
नक्षत्र–चरण	**मृगशिरा – 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	की–किशोर
पाया(राशि–नक्षत्र)	ताम्र – स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

घात चक्र

मास	आषाढ़
तिथि	2-7-12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
वर्ग	मूषक
लग्न	कर्क
सूर्य	मीन
चन्द्र	कुम्भ
मंगल	मेष
बुध	मकर
गुरु	वृष
शुक्र	मिथुन
शनि	कुम्भ
राहु	कर्क

Email: info@duastro.com | www.duastro.com | Contact: +91-9891911557

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:42:27	481:13:30	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	–––
सूर्य			धनु	16:35:04	01:01:08	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			मिथु	05:42:56	14:37:14	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
मंगल			कन्या	24:41:49	00:29:40	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	27:52:03	01:23:59	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	28:08:46	00:08:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
शुक्र			मक	01:56:06	01:15:13	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	02:56:02	00:00:18	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	नीच राशि
राहु	व		कर्क	28:59:17	00:06:42	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	28:59:17	00:06:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	17:07:59	00:03:08	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	–––
नेप			मक	07:13:47	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	–––
प्लूटो			वृश्चि	15:17:05	00:02:05	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	–––
दशम भाव			धनु	25:03:22	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:25

लग्न–चलित

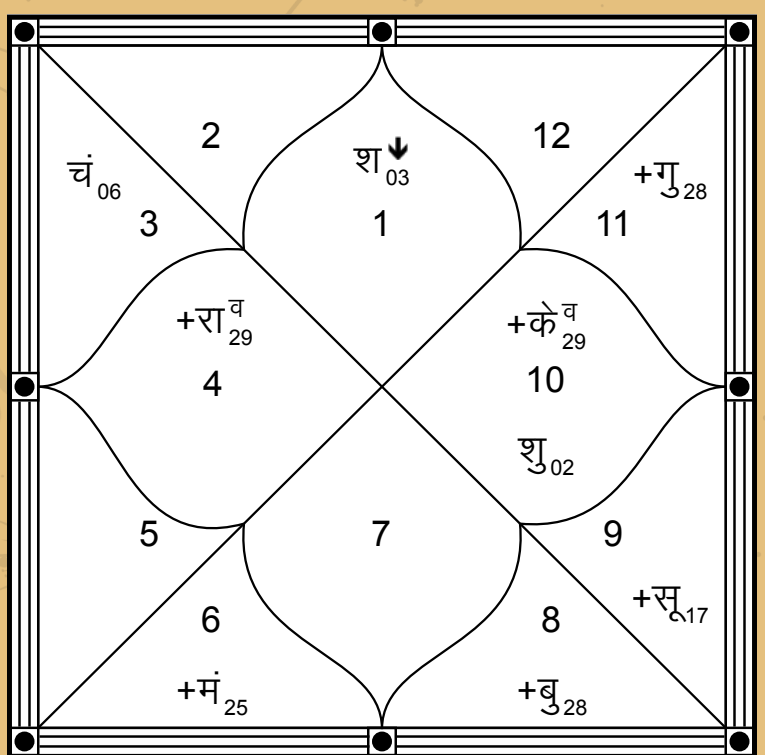

चन्द्र कुंडली

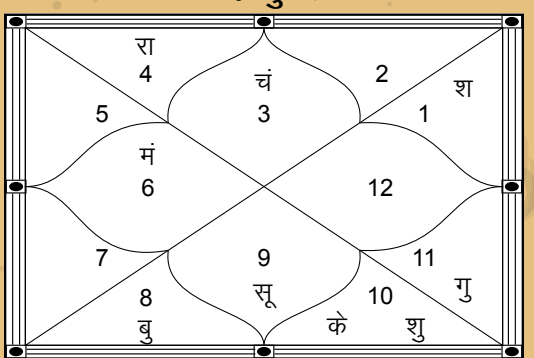

नवमांश कुंडली

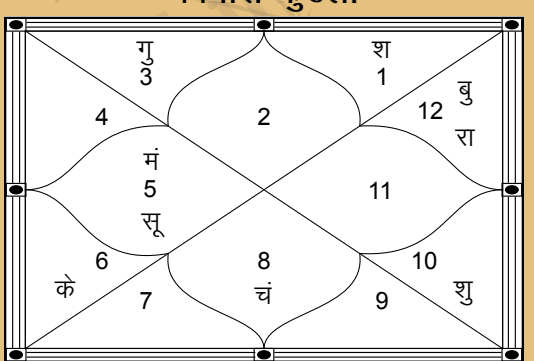

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं–

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।